



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00333326

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : VPJendra Kumar

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख
Date

25/08/24

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre

Jaipur

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

2/1/24

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु
For Official Use

कार्यालय के प्रयोग हेतु
For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are TWELVE questions divided in TWO SECTIONS and printed both, in HINDI and in ENGLISH.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

— साध्य एवं साधनों के सम्बन्ध में नैतिकता का विवाद उत्पन्न होगा कि यदि साध्य बुरे हैं तो क्या साधन उचित माने जा सकते हैं।

कुछ नैतिक विचारक साध्य अर्थात् इच्छित एवं साधन अर्थात् प्राप्ति का संबंध की पवित्रता पर बल देते हैं जबकि मार्क्स जैसे विचारक साध्य की पवित्रता के लिए साधनों के रूप में क्रांति एवं हिंसा का साक्षात् अपमान की बात करते हैं।

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहराया

① चोरी करने के लिए धन का गरीबों में वितरण चोरी रूपी साधनों को उचित नहीं माना जा सकता।

② क्याजवादी राज्य निर्माण के लिए
हिंसा का सहारा लेना हार्जोसि
इच्छेय पवित्र है।

उम्मीदवारों को
इस क्राफ्ट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

साधन, साधनों की प्रकृति विचार

कई मामलों में साधन पवित्र
होने पर साध्य अधिकतर पवित्र
होते हैं जैसे मित्र की भलाई
के लिए सच्चाई से उसे पढाना

→ कई मामलों में साधन पवित्र
होते हुए भी साध्य (परिणाम) विपरीत
हो पाते हैं जैसे डॉक्टर द्वारा
परीय की जान बचाने के उद्योग
के वास्तव में चरु।

अतः समाज में नैतिक
मूल्यों के विकास को बढ़ावा देने
के लिए गौरीवारी साध्य बन
साधन की पवित्रता होना आवश्यक
है।

1. (b)

चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

10

कानून से आवाय राज्य के नियम, विनियम जिन्मे एज का प्रावधान होता है अर्थात् नैतिकता से आवाय दया, करुणा, मज्जपिछा जैसे मूल्य जिन्मे दायित्व एवं जिदा के तन्व लेते है।

कानून एवं नैतिकता सम्बन्ध गतिशील

- ① मध्यकाल में खरी प्रथा जैसी बुराई नैतिक एवं वैधानिक थी किन्तु 1829 के बाद अंग्रेजिक एवं गैर कानूनी हो गयी।
- ② सामाजिक क्रूरतियों के अतिरिक्त धार्मिक क्षेत्र में अनेक प्रथाएं नैतिक हैं किन्तु कानूनी गैर-कानूनी जैसे सबीमाता मंदिर प्रवेश

सामाजिक परिवर्तन द्वारा परिवर्तन

उम्मीदवारों को
इस हार्गिफ में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- ① समाज में शिक्षा जागरूकता के विकास के साथ जैसे लिक इन रिलेशनशीप सम्बन्धों को अनैतिक माना जाता था जिसे युवा वर्ग नैतिक मापने लगा। इस कानून के विषय।
- ② एडल्टरी को अधिकृतिक एवं अपराध नहीं माना जाता कारण में जबकि नैतिकता रूप से अनैतिक माना जाता है।

कारण: कानूनों एवं नैतिकता में अविशालता सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, वैश्वीकरण के प्रभावों के कारण आ रही है जो समय अनुकूल कानूनों एवं नैतिक सिद्धान्तों में परिवर्तन आ रही हैं।

2. (a)

उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

10

शुचिता से भाशय
नैतिक मूल्यों के साथ ईमानदार
बना रहना जबकि सत्यनिष्ठा से
भाशय बिना भय, डर, क्राव, के निर्णयों
के प्रति खड़े रहना एवं ईमानदार
रहना।

उदाहरण → (शुचिता) - नियमों के अनुपालन
कार्य ईमानदारी से करना
राजकीयिक दबाव में भी
महिला की शिकायत पर कार्यवाही
करना। (सत्यनिष्ठा)

नैतिक अभिशासन एवं निर्णय-निर्माण

① नियमों का दुरुपयोग नहीं - भ्रष्टाचार
की समाप्ति, प्रारम्भिकता की
शुद्धि।

② जबाबदेहिता में शुद्धि - कार्य का
उत्तरदायित्व जमा

- ③ कमजोर कर्मी के प्रति लक्ष्मणशीलता को बढ़ावा देने सत्यनिष्ठा एवं शुचिता
- ④ नीतियों का लाभार्थियों तक पहुंचाने में
- ⑤ लैंगिक न्याय को बढ़ाने में
- ⑥ राजनैतिक एवं वरिष्ठों के दबाव में कार्य करने से बचने में
- ⑦ लाभान्व, योग्य में कार्य करने से रोकने।
- ⑧ नीतियों के अभाव में अन्तरालों के निर्णय लेना जैसे आपदाओं में।
अतः शुचिता एवं सत्यनिष्ठा विविध क्षेत्रों के माध्यम से प्राप्त होते हैं जो नीतिक अभिसाराण एवं निर्णय - निर्माण को बढ़ाने हैं।

2. (b)

लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

10

पारदर्शिता के आशय
शासन के निर्णयों, तथ्यों एवं सूचनाओं
की पट्टय जनता के सभी वर्गों तक
बोना जैसे RTI Act

सूचना को गुप्त रखने के नैतिक निहितार्थ

- ① राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों की निहितार्थता
जैसे वैश्विक कर्तव्य की कार्यपत्रिका
- ② द्विपक्षीय सम्बन्धों की अन्तर्राष्ट्रीय
राजनीति में मजबूत एवं विश्वमानी
बनाने के उद्देश्य।
- ③ राष्ट्रीय महत्व की सूचना एवं
राष्ट्रीय मुद्दों, पदों की गरिमा
की निहितार्थता।

जवाब देना है अध्याय में पाठ्यपुस्तक

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- 1) प्रशासन के कार्यों के परिणामों के जनता तक पहुंच जैसे सोशल ऑडिट द्वारा
- 2) निरीप अनियमितताओं की जांच में
- 3) नागरिकों का जागरूक एवं सशक्तिकृत
- 4) फंडों के अयव्यय एवं गलत उपयोग की जांच जैसे 24, कोल डोराने
- 5) शासन के साथ नागरिकों की सक्रियता का बढाव, जनभागीदारी और जवाबदेही बढाना

अतः पाठ्यपुस्तक का विचार शासन की सुशासन की ओर है। जो कि देश में लोक प्रशासन का मुख्य विचार है।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10

महात्मा गांधी के अनुसार
बालक की प्रथम पाठशाला परिवार
एवं प्रथम शिक्षक माता-पिता होते
हैं।

सभ्य घर का बालक के व्यक्तित्व पर महत्व

- ① परिवार का माहौल बच्चे की सामाजिक क्षम्यवस्था का विकास करता है जैसे बूटों का सम्मान
- ② भौतिक दृष्टिकोण एवं सामाजिक दृष्टिकोण का विकास द्वारा
- ③ आत्म, सद्योग, संवेदनशीलता, कलगी, प्रेम, सत्यनिष्ठा जैसे गुणों को भाई-बहनों व सीखने से बढ़ावा
- ④ अन्तर्पीठित गुणों के विकास में योगदान।

माता-पिता की भूमिका

७) यदि माता-पिता की कथनी-काली में अन्तर नहीं होगा तो बच्चे भी इनका अनुसर करेंगे जैसे तुफान शिपमो का पालन

८) माता से प्रेम, कृपा, प्यार, स्नेहभावना जैसे धर्मों की उत्पत्ति करना

९) पिता से साहस, कर्तव्यनिष्ठा, पेटेनत जैसे धर्मों की उत्पत्ति।

संक्षेप: संपादनकारण की उत्पत्ति में परिवार एवं माता-पिता का अत्यंत योगदान होता है जो बच्चों से सकारात्मक एवं नकारात्मक धर्मों का विकास के योगदान देते हैं।

3. (b)

"हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy
(Answer in 150 words)

10

लियो टॉल्स्टॉय का व्यक्तित्व कथन समाज में विचारित स्तर पर सभी लोग अपने समाज निर्माण के बारे में सोचते हैं किन्तु कार्यों के स्तर पर बहुत ही कम लोग उनका अनुसरण कर पाते हैं।

सिद्धांत क्यों है।

- ① कथनी एवं करनी में अंतर जैसे विचारित स्तर पर अणुस्तर मुक्त समाज का निर्माण करना लेकिन अवसर मिलने पर स्वयं उसमें लिप्त होना।
- ② समाज में मौखिक वाणी मूल्यों का उच्चारण जैसे पराक्रान्त संरक्षण की बात सभी को समझाते किन्तु उच्च ऊर्जा की खपत भी करते हैं।

13) नैतिक मूल्यों का पतन होना
अर्थात् व्यक्ति के मूल्यों के
प्रति कम लगाव होना

क्या करें।

↳ जो बदलाव की शुरुआत करना
चाहते हैं वह स्वयं के जीवन में
भी कटे जैसे स्वच्छ भारत अभियान
में स्वच्छता प्रवृत्त।

↳ खुद के बदलाव के साथ अन्यो
को प्रेरित करने का प्रयास करें।

अतः जो बदलाव विश्व में
देखना चाहते हैं पहले उनका
स्वयं के जीवन में प्रत्यक्ष होना
अनिवार्य है।

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage." - Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस भाग में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidate
must not
write on
this margin

कन्फ्यूशियस के
विचारों में समाज में सही होने
के बाद भी अनेक कार्यों का अनुसरण
नहीं किया जाता है। यदि हम
सही कार्यों का सांख्यिकीय में
पालन करेंगे तो आर्थिक कार्यों
का प्रतिरोध इन्पन्न होगा।

प्रश्न

- ① लैंगिक न्याय में वृद्धि जैसे
लैंगिक हिंसा का प्रतिरोध करना
- ② सामाजिक न्याय में वृद्धि जैसे
समाज में भेदभाव का विरोध करना
- ③ मुशासन की जाति जैसे अत्याचार
का विरोध एवं अर्थ आत्यन्त
नहीं करना
- ④ सबसे विकास की वृद्धि

जैसे कर्मों की कटाई का विरोध करता।

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

बिना कर

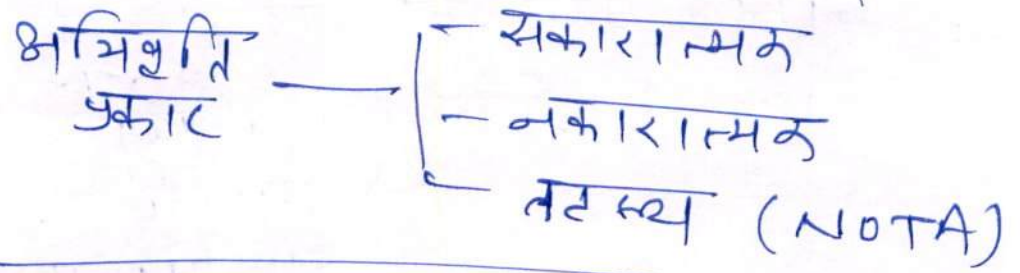
↳ सही का अनुसरण करने के लिए नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना जरूरी है जैसे-
↳ लक्ष्यनिष्ठा
↳ ईमानदारी
↳ साहसिकता
↳

अतः अन्याय, भ्रष्टाचार एवं अनेतिकरातों के प्रतिरोध के लिए साहसिकता के साथ सही विचारों का अनुसरण करना आवश्यक है जैसे गान्धीजी ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध युना।

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति के माध्यम
किसी विषय, वस्तु, धरना के प्रति
देखने का नजरिया से है।



सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक

- ① कानून के माध्यम से जैसे अख्यत पर दण्ड का प्रावधान
- ② दण्ड एवं अवार्ड के माध्यम से
- ③ सामाजिक मानदण्डों के द्वारा जैसे
विश्वासी समाज पर्यावरणीय - पाप
- ④ धार्मिक माध्यमों से जैसे मांसाहार
प्रतिषेध के चलते पशुप्रेमी
- ⑤ परिवार, शिक्षा एवं समाज के माध्यम से जैसे निव इन रिनेशंस प्रेम विवाह आदि।

शिक्षिक सेवकों की कार्यप्रणाली में

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- ① पूर्वाग्रहों से मुक्त होते जाग्रत
पूर्वाग्रह, व्यापिक प्रविष्टि से
मुक्त रखकर उशासन की दक्षता
में कार्य करना
- ② लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति मुझ
को बढ़ाना और स्वच्छ एवं निष्पक्ष
पुनर्गठन में।
- ③ विकास, शिक्षा एवं सत्यनिष्ठा
के माध्यम से राजनैतिक कार्यवाही
के माध्यम से मन कल्पना करना
- ④ शासन में नीति निर्माण, निर्णय
लेने में व्यवस्था के जात्यकीवशी
की सहायि में।

अतः सकारात्मक अभिप्राय
शासन में व्यवस्था, समस्या
के मूल्यों एवं उशासन के उद्देश्यों
की जाग्रत में सहस्रपूर्ण पुनर्गठन हैं।

4. (b)

चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए। Candidate must not write on this margin.

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EQ)
से आशय स्वयं की भावनाओं एवं
दूसरों की भावनाओं को समझना,
संभालना करना एवं उनका अपने
अनुस्यूत उद्देश्य के अनुसार प्रबंधन
करना।

संसाधन आवंटन में प्रभाव

- ① EQ के माध्यम से सीमित संसाधनों का आवंटन सड़क निर्माण में किया है या शिक्षा के लिए स्कूल निर्माण में। अतः EQ द्वारा लोगों के बीच समन्वय स्थापित करते या प्राप्त होगा।
- ② संसाधनों का दुरुबाल प्रयोग करना जैसे RTI अधिकारी आर्मिंग जैसे में कॉरुप्शन

सही पीपलम रोड 100km का निर्माण

करवाया।

③ E.O.I दीर्घकालिक एवं तत्कालिक प्रकल्पों के मध्य सन्तुलन स्थापित करने में सन्तुलन

④ धर्मावरण बनाम विकास के मुद्दों पर निर्णय लेने में।

भारत : भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्थापित धार्मिक संसाधनों का व्यापक प्रोत्साहन, नैतिक समानता एवं समावेशी न्याय की दिशा में भावनेत में प्रभावी बनाने में उपयोगी होगी।

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a)

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन आपदाओं, गरीबी, युद्धों आदि के क्षेत्रों में मानव कल्याण के लिए कार्यरत रहते हैं जैसे इजरायल - हमास युद्ध में किलीस्तीन क्षेत्रों में खाद्यान्न वितरण कार्य में कार्यरत लगान।

नैतिक चुनौतियां

- ① संगठन के सदस्यों द्वारा धन का दुरुपयोग की समस्या जैसे किलीस्तीन में मानवकवली हमास समूह की मदद करना
- ② धन की प्राप्ति में बाधा
- ③ धन देने वाले देशों द्वारा कार्यों को प्रभावित करने का प्रयास

(4) अपर्याप्त पट्टय होना प्रभावित
संगुदापों तक

(5) धर्म, जाति, नस्ल, लिंग आदय
तक भेदभाव का आरोप

मार्गदर्शक सिद्धान्त

- मानवतावादी नैतिक मूल्य जैसे
विश्व सम्पन्न एवं शांति का
सदेश
- जीवन की रक्षा
- बहुधैव कुटुम्ब की भावना
- मानवाधिकारों की रक्षा

अतः सधर्मग्रन्थ अत्रो मे

शापात सहायता में मानवतावादी
संगठनों के उपायों को बढ़ावा देने
के लिए वैश्विक मर्यादों को सहयोग
दिया जाये।

5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words)

10

अनुनय के माध्यम
किसी व्यक्ति, समाज की धारणा को
अपने अनुसृत परिवर्तित करना
एवं पक्षों को प्राप्त करना जैसे
सद्व्यवहार प्रणाली के राष्ट्रीय स्वीकारण
एवं योशिया के सत्य मार्ग निर्दिष्टान
में अनुनय का कुशल उपयोग किया।

सिविल सेवकों के लिए महत्वपूर्ण

- ① जनभागीदारी बढ़ाने में जैसे कोजिवेड
कलेक्टर प्रशासनिक न्याय में शीत
सफाई के लिए जन सहयोग
- ② विवादों का स्वस्थ समाधान - दंडिक
प्रशासन में विवाद, प्रबंधन समाधान
जैसे विमान आन्दोलन में।
- ③ करिबों एवं सामुदायिक कार्यपालिका
में समस्याओं के निर्वाह में

(4) जनमत की दृष्टिगत परिवर्तन जैसे वेरी बच्चाओं वेरी पढ़ाओं, कोविड में सोशल डिस्टेंस एवं वैक्सीन लगाने

(5)

माजिदरिक्त करने वाले मुख्य क्विज़

- (1) व्यक्तिगत का क्विज़ अर्थात् अनुभव करने वाले पर जननिश्चय
- (2) नेतृत्व क्षमता का होना जैसे मोदीजी
- (3) विश्वमनीयता का होना जैसे गांधीजी
- (4) मूल्यों से युक्त जीवन का होगा जैसे डॉ. जयशंकर प्रसाद
- (5) प्रभावी वक्ता - जनसम्पर्क स्थापित करने में

अतः अनुभव के रास्ते पर मागीदारी, शासन अनुभव कार्य एवं शासन के साथ संबंधों का प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।

6. (a)

विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिक नेतृत्व से
आशय नेतृत्व के पदों से युक्त
व्यक्तियों से नैतिक मूल्य जैसे
सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, जबाबदेहिता,
पारदर्शिता आदि का शास्त्रिय होना
है।

नैतिक नेतृत्व की भूमिका

- ① भ्रष्टाचार के विरुद्ध शिकायतों पर त्वरित एवं तटस्थ निर्णय देने में।
- ② कौमी कंपटिजन्स की समीक्षा में।
- ③ पारदर्शिता बनाने में जैसे पारदर्शिता आराम समीक्षा
- ④ जबाबदेहिता रूप करने में फंड का दुरुपयोग पर स्पष्ट करना

क) वीमवर्क एवं ड्रॉणा - नैतिक नेतृत्व
वीम के मृत्यु सङ्घों को प्रोत्साहित
विरुद्ध कार्य करने के लिए
प्रेरित

द) दखना कदमों में।

आता नैतिक नेतृत्व
न केवल स्वयं कठिन शक्ति
से आत्मों को भी इजाजत
मन्यनिष्ठ एवं तत्स्य निर्णय
केवल नैतिक बना प्रकृत
व।

उम्मीदवारों को
इस कश्चि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती 1824 में गुजरात में जन्म हुआ जो सामाजिक-धार्मिक सुधारों में उनके जीवन का प्रमुख शिक्षा कार्य किये।

- 1) भारतीय धर्म जीवन
- 2) वैदिक जीवन पद्धति
- 3) श्रीमद् भगवद् गीता
- 4) सती की समाप्ति पर बल
- 5) अंग्रेज व्याप एवं समाज के पक्षधर
- 6) पारम्परिक ज्ञान से ग्रहण पर बल
- 7) स्वदेशी, स्वभाषा, स्वशिक्षा के माध्यम से राष्ट्रकी भाव का संचार।
- 8) हिंसात्मक कृत्यों की निन्दा।

भ्रातृत्वता - नैतिक एवं सामाजिक

- ① नारी सशक्तीकरण एवं नैतिक
व्यवस्था को बढ़ाने में।
- ② समाज में अंधविश्वास, अविवाह, बाल्याश्रम, कुदमिये को खत्म करके समतावादी समाज का निर्माण करने में।
- ③ नैतिक जीवन पद्धति जैसे मानव सेवा, रिता नदी, कल्याण को बढ़ावा देना आदि।
- ④ भ्रातृत्वतावादी संस्कृति के स्थान पर राष्ट्रीय जीवन पद्धति पर ध्यान।
- ⑤ वर्तमान समाज में आतंकवाद, हिंसा, आपराधों के विरुद्ध कड़े कदम चरम का संदेश।

अतः हमें हमारे लक्ष्यों की दिशा में मानव के पाय जागी भारत के कल्याण, स्वतंत्रता की भाव को समाज की समता के मार्गदर्शक कर्तव्य हैं।

7.

मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- (a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- (b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- (c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या जिम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

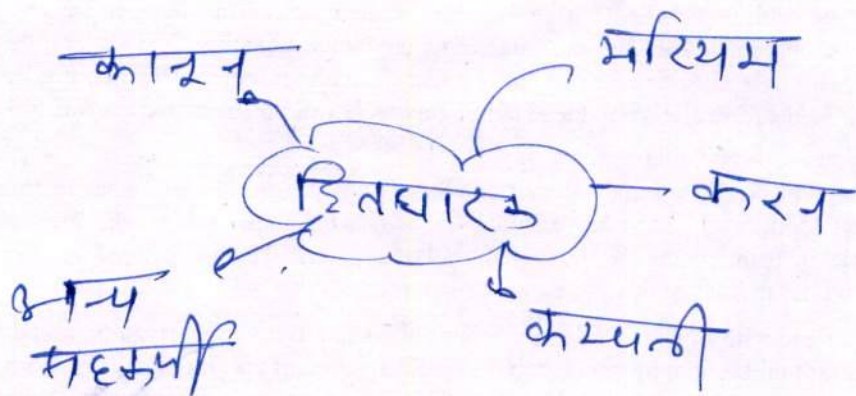
However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- (a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- (b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- (c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

उपर्युक्त प्रकरण में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न एवं उत्कीर्णता से भविष्य में कठोर पर पत्रे वाली चिंतनाओं को दर्शाया गया है।



A) नैतिक इतिहास करण शर्मा

1) मरियम की व्यक्तिगत इच्छा बनाम लैंगिक न्याय

↳ यदि कला इच्छा के विरुद्ध शिकायत करता है और मरियम ईकाट कट ड्रेसी है या मरियम की नीकवी जूते में पहनी है कल सिकर ।

2) कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न करण की नीतिकता के निवृत्ति

- (3) कल्या की स्वयं की नौकरी का खतरा एवं मरियम ने दोस्ती समाप्त होना की इच्छा।

उपलब्ध विकल्प

- (1) कोई शिकायत नहीं करना

(गुण) → न तो मरियम चाहती है और कल्या की नौकरी की दुख्खा

(दोष) - लैंगिक उत्पीड़न की घटना में कल्या सहमत है।

- (2) मरियम को शिकायत दर्ज कराने

के लिए मनाना अन्यथा स्वयं शिकायत दर्ज करवाना।

(गुण) - मरियम एवं अन्य महिलाओं को जाय मिलेगा
कारण सम्बन्धि में सुधार
कैम्पेस को सजा।

(दोष) - मरियम की नौकरी की चिन्ता
→ स्वयं के कैम्पेस की चिन्ता

- (3) स्वयं एवं मरियम को नौकरी बदलने की कल्पना करना।

- ① → बिना विवादों के कार्य करना
- ② - नयी कम्पनी में भी समान
 ↳ समाना वष
 समाना का खाई समानान्तर

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए Candidate must not write on this margin

करण का विकल्प 2 चुनना चाहिए

क्योकि

- ① लैंगिक न्याय के लिए कार्यवाही
 प्रावधानों का उपयोग करना
- ② दोषियों का सजा दिलाना
- ③ कम्पनी की कार्य संरचना के
 सकारात्मक एवं लैंगिक सम्बन्ध
 उन्मुख बनाना
- ④ मेरी उत्तरदायिता की भावाज अनुसार
 निर्णय
- ⑤ साध्य एवं साध्य की परित्रता
 अनुसार आय का कार्य करना

सिगठनों की निम्नकारी

- यौन उत्पीड़न से कने जागृकता उभाए
- ↳ ICC का गठन
- ↳ CCTU के मारे
- सर्वत औरो सेमरेस के
 साथ कार्यवाही
- ↳ नियमों का पालन भी
 POSH Act 2013

समाधान एवं समावेशी कार्यस्थल निर्माण

उम्मीदवारों को इस कश्चिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- कर्मचारियों को बैंगिन मुद्दों पर सम्मानजनक कार्यसंस्कृति के कोड ऑफ इथिक्स का पालन
- POSH Act का पालन एवं PEE का गठन एवं जागरूकता कार्यक्रम
- शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई
- महिलाओं को लगान से भागीदारी करना
- कर्मचारी हस्तक्षेप जैसे CCTV आदि

अतः उपरि उल्लिखित सैगठनों से लेगिक उत्पीड़न के लिए नैतिक कोड, सम्मानजनक कार्यसंस्कृति एवं POSH Act का उभरती क्रियान्वयन करना आवश्यक है।

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

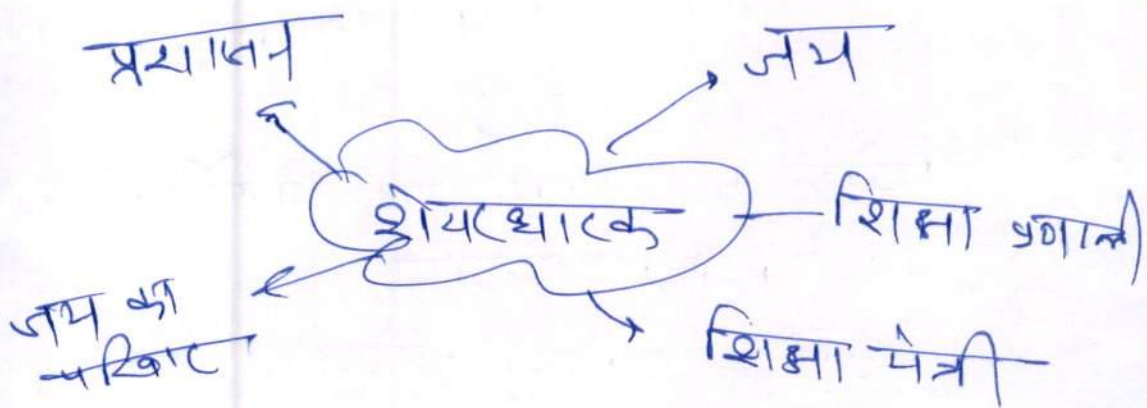
Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

20

उपरोक्त प्रकरण में पंडीय दायित्वों के निर्वहन में राजनीतिक दबाव एवं गुणवत्ता, ईश्वरता, प्रभावशीलता के मुद्दों का समावेशन किया है जिन्हे चरित्रात्मक सिविल सेवकों की कार्यप्रणाली पर होता है।



जय के विकल्प

① मौजूदा भर्ती प्रक्रिया को जारी रखना

② शिक्षा की परियोजनाएँ जारी रखनी हैं
रुम्नातारण जैसी सामान्य नहीं है

दोष → शासन में निव्यक्तता में कमी
सत्यनिष्ठा से सम्बन्धित
अविष्य में आन्य होने पर
कानूनी समस्याएँ होना

② स्वतंत्र समिति को मामले की
जांच करवाना एवं निर्णय लेना

दुष्ठा → समिति का निर्णय पर
सरी की सहमति
सत्यनिष्ठा अनुसार कार्यवाही

दोष → हस्तगत हो सकना
मंत्री द्वारा अन्य भाषणों
में फसाया जाना।

③ तथ्यों के आधार पर भर्ती प्रक्रिया
को समाप्त करना

दुष्ठा → अदृश्य व्यक्तियों को शामिल
करने से रोकना
अपराध के लिए कार्य करना

दोष → हस्तगत की समाप्ति
प्रोसेस में बाधा।

मेरा विकल्प 2 होगा।
क्योंकि

- ① स्वतंत्र जांच समिति कि निर्णय तत्कथ एवं निष्पत्त तोगे
- ② समिति की जांच का अधिक निश्चलनीयता होगी
- ③ अपात्र एवं अनुचित प्रवृत्तिया का नाम लेने से इका मोगोथक प्रभाव
- ④ शासन में क्षत्रात्पत्त एवं कुशासन में कच्ची होगी
- ⑤ साध्य एवं साधन की पवित्रता क्षत्रात्पत्त निर्णय
- ⑥ सत्पत्तिका, मवापडेहिला, प्राडक्षित्ता तत्कथला नैके सुत्तों में निर्दिशित निर्णय प्रिया माना।
- ⑦ काबून का शासन एवं विविध के समझ सधला शाध्कारित निर्णय।

प्रतिपत्त निर्दिष्टन हेतु कैम्बलट सुत्तका

- ① इसंफर की सुत्तका - राजनीतिक दवाक में हत्तावरण न

होकर समझने की है स्वतंत्र
भाषाओं/कोडों द्वारा हस्तांतरण

② भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष
जांच एवं सुरक्षा

③ नैतिक मानकों एवं विधि के
शासन की प्रभावी कार्यान्वयन
द्वारा

अतः जब भी सिविल
सेवकों द्वारा सत्यनिष्ठा, साहसिकता
से प्रशासन के कार्यों का
निष्पादन करने हेतु नैतिक दृष्टियों
से कार्यों की सुरक्षा के मध्य
संबन्धित आवश्यक है।

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

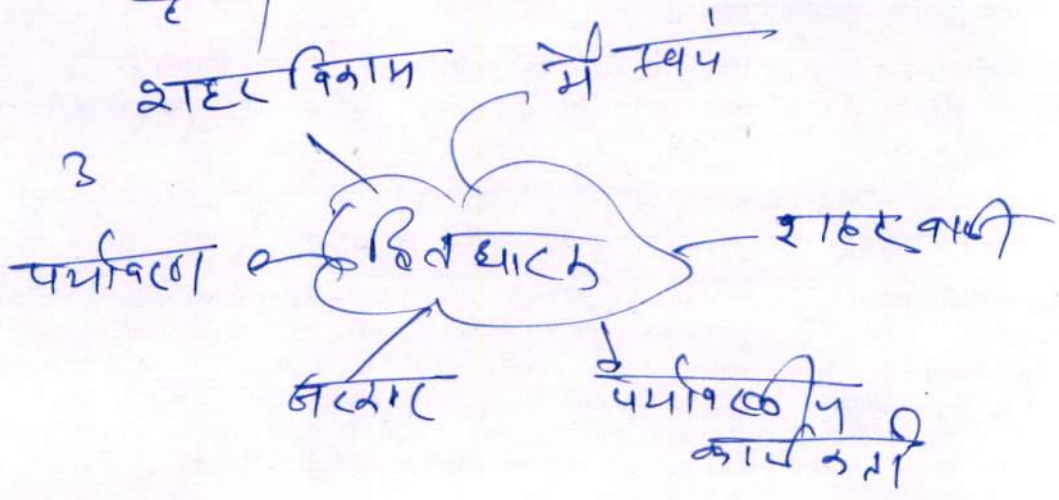
The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त प्रकार में विकास को पर्यावरण का दुर्ग प्रकट किया गया है जिससे एक पक्ष विकास का समर्थक है जबकि दूसरा पक्ष पर्यावरण के पक्ष में विरोध कर रहा है।



नैतिक दुर्निधा

- ① विकास बनाम पर्यावरण की संरक्षा की दुर्निधा
- ② शहरी यातायात बनाम शहरी वनों का मुद्दा

- (ख) आग्रीपों के मुड़े बनाम शहलवासीपों का स्वयं पर्यावरण का ~~संरक्षण~~ अधिकार
- (क) प्रोनेक्टर को समय पर पूरा करने की कार्यवाहना

विकल्प

① विरोध को दूरकाना करते हुए
प्रोनेक्टर विस्तार के लिए वनों को कटाई

(गुण) — समय बह प्रोनेक्टर प्रण
→ यही सुविधा

(दोष) — पर्यावरण प्रदूषण एवं
जैव विविधता क्षति
जन विरोध →

② प्रोनेक्टर को कई बार स्थानान्तरित करना

(गुण) — विरोध नमाप
→ पर्यावरण संरक्षण

(दोष) — प्रोनेक्टर लागत में इन्फि
→ समय विलम्ब से राजनीति
दस्तावेज →

(B) पर्यावरणीय प्रभाव घटाना करने
के लिए प्रथम कदम, पृथ्वी की
कटाई एवं नये क्षेत्रों में
वृद्धारोपण करवाना।

(C) → पर्यावरण एवं विकास अनुमान
→ आक्रोश समाप्त
यात्रायात्रा क्षेत्र विकास
(D) → पर्यावरण जोखिम

मेरा विकल्प 3 होगा
संघोष

- (1) पर्यावरण एवं विकास के अर्थ
संबन्धित पर आधारित है।
- (2) यात्रायात्रा के एकीकृत विकास
के अनुक्रम है
- (3) जोखिम की प्रकृति एवं समयकद
भूत होना।
- (4) राष्ट्र के विकास के लिए अनुमानित
विकास प्रति G.D.P के माध्यम
से कम से कम पर्यावरणीय चुकता।

उत्तर

- 1) पर्यावरणीय प्रभाव शक्यता के परचलन अनुसंधान प्राप्त होने पर विकास शक्यता
- 2) लोगों की मर्यादागीतरी को विकासशील परियोजना प्रकल्प में शामिल करना
- 3) जीए वनीकृत श्रेणी को चयनित के प्राथमिकता देना
- 4) विशेषज्ञों की सलाह लेना
- 5) नये श्रेणी में गहन सुधार प्रकल्प कार्य करना।

आतः पर्यावरण एवं विकास को प्रकल्प अनुसंधान, समावेशी बनाकर संधारणीय विकास को चुनना सही विकल्प होगा। जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को सुनिश्चित है।

10.

डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और बहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

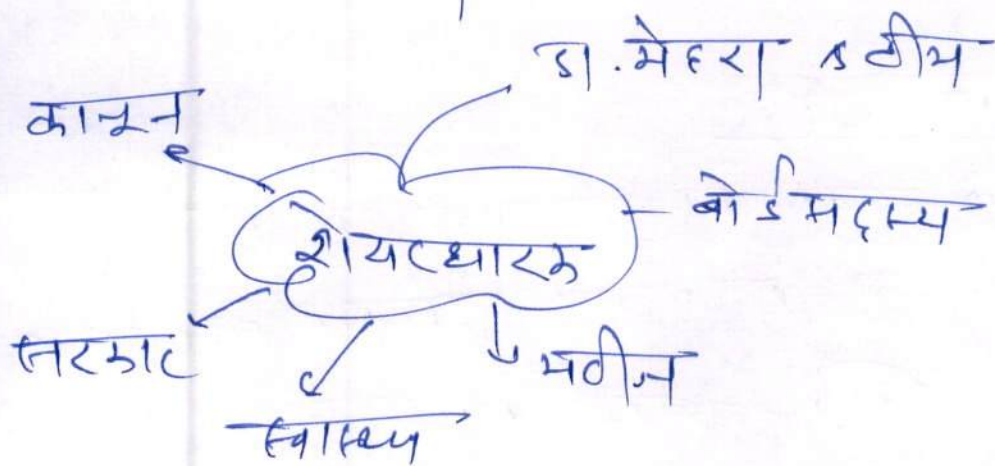
Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

- Identify the stakeholders in the above case study.
- Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
- Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

इसके बाद उक्त कार्यस्थिति का क्षेत्र में दवाओं के अनुसंधान एवं इनके प्रभावों के माध्यम से प्राप्त कि प्रथम इन्हें को उक्त कह रहा है।



डा. मेहरा के निम्न 3 बिंदु

- 1) दवाओं की प्रभावकारिता की चिन्ताओं में मरीजों पर नकारात्मक परिणाम
- 2) बिना महत्वपूर्ण परीक्षण परिणामों के दवा के उपयोग की अनुपति से कारकी काफी कम भय।

10) बोर्ड के सदस्यों द्वारा दवा सीमित नहीं करने पर प्रविश्य कारखाने का मस।

11) कारखाने का धामन नहीं करने या करने की संश्लकता

विकल्प

12) दवा को दुष्प्रभावों की चिन्ताओं को धिपाकर सीमित कर देना

गुण - बोर्ड के अनुसार निर्णय
→ वाणिज्यिक मस

13) < दुष्प्रभावों से समा कम्पनी की व्यवस्थाओं में गिरावट

14) दवा को दुष्प्रभावों की चिन्ताओं के कारण सीमित करने में मस कर देना

गुण - कानून के अनुसार अनुसंधान हुए होने के पश्चात् सीमित करना

- जान का जोखिम नहीं
- भविष्य में कार्रवाई नहीं

④ कोड के प्रारम्भों द्वारा कार्रवाई जोखिम

उम्मीदवारों को इस शीट में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

डि. मेहरा का विषय 2 होगा

संघेति

- ① चिरित्मकीय नीतिगत के अनुसार है
- ② अनुसंधान के इच्छुभाव सभी स्पष्ट नहीं है।
- ③ वाणिज्यक नीतिगत के अनुसार निर्गम
- ④ भविष्य में स्वयं डा. मेहरा एवं श्री सीम को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव पर

⑤ कम्पनी की बोर्ड वेल्यू में गिरावट नहीं आएगी यदि ये हवा निरूपित लेता है।

अतः चिकित्सकीय प्रतिक्रिया से राज्य के कानूनों के अनुसार अनुसंधानों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने के अनुसार वैश्विक निरूपित लिए जाने चाहिए।

11.

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?
(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

उम्मीदवाते
इस दृष्टि
नहीं लिखना
चाहिए
Candidate
must not
write on
this margin

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
- (c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

उपरोक्त प्रकार में
विराम कार्यों में कोनसेकी नियामक
टीम मानना का समाव एवं
वरिष्ठों के द्वारा कनिष्ठों के
कार्यों का क्रेडिट प्राप्त करते
कनिष्ठों के मनोबल को कमजोर
करने की प्रकृति देखी है ।

नीचे दी गई छवि पर कार्यरत
विराम विभाग वरिष्ठ अधिकारी
↓ सुझाव (डाटा) देकर

नैतिक मुद्दे

उम्मीदवारों को इस क्षति में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- ① व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हितों की प्राथमिकता जिसे वरिष्ठ द्वारा 6 पक्षों में विभाजित कर उद्घोषित किया
- ② कनिष्ठों की समझ नहीं कला एवं उनके कार्यों के क्रेडिट को अपना बनाया नैतिक मुद्दों के समझ को उद्घोषित किया है।
- ③ कार्य के प्रति उदासीनता कार्य संचालन को उद्घोषित करता है।

उपरोक्त कार्य संचालन का उद्देश्य

- मनोबल → नकारात्मक मनोबल का निराकरण
- ↳ प्रेरणा का समाप्त होना
 - ↳ टीमवर्क का क्षय

उत्पादकता → बीमारी की जगह
 सहयोग भाव एवं
 समन्वय की जगह
 प्रोग्राम में विपत्तियों
 की स्थिति

मेरे विकल्प

- ① वरिष्ठ अधिकारी से प्रोग्राम के डिटेल् के सम्बन्ध में विरोध करना।
- ② लिफ्ट सेक्रेटरी को मीटिंग के पश्चात् विस्तृत कार्य रिपोर्ट सबमिट करके प्रोग्राम के तवाचाह, कार्यपद्धति में योगदानों आदि के बर्तन में अवगत कराना।

उम्मीदवारों
 इस दस्तावेज़
 नहीं लिखना
 चाहिए
 Candidates
 must not
 write on
 this margin

समाधान

- लीमवर्क की भावना से सभी को साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना
- मोटिवेशन करना
- सहकर्मियों को कार्यों का क्रेडिट देकर प्रेरित करना।

आतः प्रोजेक्ट नियमों में लीमवर्क, व्यापारी सुझाव, सकारात्मक कार्य संस्कृति आदि के माध्यम से क्षमिषुति परिवर्तन करते सहयोगियों एवं वरिष्ठों का समर्थन प्राप्त करते प्रोजेक्ट पूरा करेगा।

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

- उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

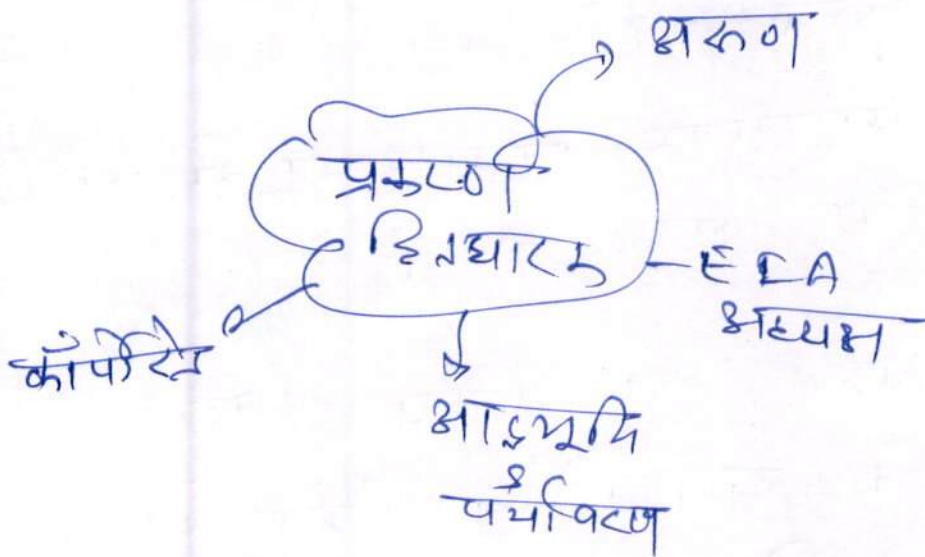
The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words)

20

उपर्युक्त प्रकरण में पर्यावरणीय प्रभाव आश्चर्यों में कॉर्पोरेट, राजनीतिक एवं सामंतीतिक बंधों के मध्य पुनः व कर्मचिण एवं विकास का सामंन्धन की स्थिति उत्पन्न होगी नत्रर भा लखे हैं ।



A) नैतिक मुद्दे

→ कॉर्पोरेट, राजनीतिक एवं नीतिराक्षि का गंजोड़ कोणी के पिरलन्धन की स्थिति उत्पन्न कर देते हैं

- पर्यावरण एवं विकास के मध्य
समानुपात पैदा कर देते हैं।
- शासन में पुष्टान्याय की दिशा में
इतना काम का कार्य करते
हैं।
- भौतिक तरीके से ECA प्रभावित
प्राप्त करके पर्यावरण, समाज
को खतरा पैदा करने का
कार्य करते हैं।
- प्रशासनिक सत्यनिष्ठा की कमी
को उभार करते हैं।
- अरुण जैसे ईमानदार अधिकारियों
के समक्ष चुनौतियों को पैदा
करने के कार्य करते हैं।

अरुण विकास

- ① अरुण प्रोमोटर के ECA में
एम्बेडेड बनी करे

गुण — झालकर नहीं
→ पहले ही EDA प्रमाणपत्र प्राप्त है।

दोष — प्रहसन में वृद्धि
→ जलप्रवाह व आइसबर्ग प्रमाण

II) पुराने EDA की जांच एवं कमी होने पर
पुनः EDA का विकल्प को चुनना एवं निर्णय लेना

गुण — प्रोजेक्ट के उभावों की समीक्षा
→ पर्यावरण भाव

दोष — EDA प्रोजेक्ट पूर्व अनुमति एवं ~~पै~~ EDA प्राप्त करिषों पर आलेप

बैर

अरुण का विकल्प 2 होगा

म्योडि

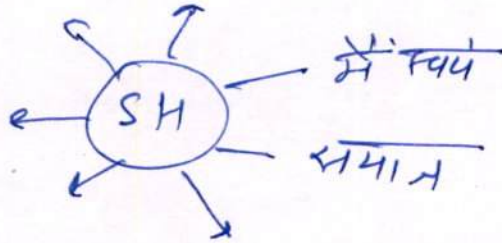
1) पर्यावरण एवं विकास के मध्य संतुलन स्थापित करना

- उम्मीदवादी
इस कश्चि
नहीं लिख
चाहिए
Candid
must no
write o
this ma
- (ii) पक्षीय पक्षियों का निर्वहण करना
 - (iii) शासन भ्रष्टाचार को समाप्त करके सत्यनिष्ठा, ईमानदारी का पदावा देना।
 - (iv) अल्प अधिकारियों के खिलाफ ग्रांथ से भ्रष्टाचार पर अमुश लगेगा।
 - (v) आइडनियि का सैलमण एवं मल स्रगि की सुरक्षा।

अतः उपरोक्त प्रकार में विकास एवं पपनिरण के साथ भ्रष्टाचार को भी गतिविधियों को सलग्नता को खत्म करने के लिए सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, दृढता वाले अधिकारियों के निर्गप ही सुशासन स्थापित कर सकते हैं।

SPACE FOR ROUGH WORK

उपर्युक्त प्रकार में सत्यनिष्ठा एवं अभावकेहिता के
दूरे



विषय

1.)



2.)



3.)



पेरा विकल्प

- 1) साध्य साधन की पहचान
- 2) सत्यनिष्ठा
- 3) अभावकेहिता
- 4) का-2+ का असादन & जननिश्चय
- 5) गांधी / कौटिल्य / मेरी मन्त्रालय